i-NEXT PAGE 2

प्रति सेमेस्टर एग्जाम फीस 250 रुपये कम

GOOD NEWS

हाल ही में हुई वित्त समिति की बैठक में प्रस्ताव को दी गई थी स्वीकृति

पहले 500 रुपए और अब 250 रुपये मिलाकर कुल 1500 रुपये सालाना कम देनी होगी यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को फीस.

LUCKNOW(3 Apr): लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में पढ़ने वाले और नए सत्र में प्रवेश लेने विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिली है. विश्वविद्यालय ने कुछ समय समय पहले परीक्षा शुल्क प्रति सेमेस्टर 500 रुपये की कमी की थी. अब 250 रुपये प्रति सेमेस्टर और घटा दिया है. यह सुविधा सत्र 2021-22 में प्रवेश ले चुके विद्यार्थियों को भी मिलेगी. वहीं, नामांकन शुल्क पिछले सत्र की अपेक्षा 500 रुपये ही रहेगा.

पहले दो हजार शुल्क था

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि पहले प्रति सेमेस्टर परीक्षा शुल्क दो हजार रुपये था. सत्र 2021-22 में प्रति सेमेस्टर परीक्षा शुल्क में 500 रुपये की कमी कर दी गई थी फिर कालेजों ने प्रत्यावेदन देखकर और शुल्क कम करने का अनुरोध किया था, जिसके बाद 250 रुपये प्रति सेमेस्टर परीक्षा शुल्क और कम कर दिया गया है. वित्त समिति की बैठक में यह प्रस्ताव पास हो चुका है. पूरे साल (दो सेमेस्टर) में कुल 1500 रुपये (करीब 40 फीसद) की कमी हुई है. इस सुविधा से करीब डेढ़ लाख विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा. कुलपति ने बताया कि सत्र 2021-22 में प्रवेश ले चुके छात्र-छात्राएं भी इससे लाभांवित होंगे. वहीं, नामांकन शुल्क 1000 से कम करके 500 रुपये पहले ही किया जा चुका है.

अब गलत जवाब पर नहीं

पैटर्न जारी किया गया

प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज मथुर ने बताया कि आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की तैयारी के लिए पैटर्न जारी किया गया है. प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित होगी. प्रत्येक पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे. हर प्रश्न दो अंकों का होगा और गलत जवाब पर अंक नहीं काटे जाएंगे. हर प्रवेश परीक्षा 90 मिनट की होगी. उन्होंने बताया कि प्रवेश संबंधी सूचना विश्वविद्यालय के मोबाइल एप पर भी उपलब्ध है. एडमिशन ब्रोशर के अंतिम पृष्ठ पर डिस्क्लेमर के बार कोड दिए गए हैं, जिससे अभ्यर्थी अपनी सुविधानुसार इंटरनेट मीडिया के माध्यम से प्रवेश संबंधी सूचनाएं ले सकेंगे.

कटेंगे नंबर

लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2022-23 में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू करते हुए प्रवेश परीक्षा का पेपर पैटर्न भी जारी कर दिया है. प्रवेश परीक्षा 15 से 25 जून तक कराने की तैयारी है. यह परीक्षा बहुविकल्पीय आधारित होगी. विश्वविद्यालय के एडमिशन पेज पर इसका विस्तृत विवरण अपलोड कर दिया गया है.

प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज मथुर ने बताया कि आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की तैयारी के लिए पैटर्न जारी किया गया है. प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित होगी. प्रत्येक पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे. हर प्रश्न दो अंकों का होगा और गलत जवाब पर अंक नहीं काटे जाएंगे. हर प्रवेश परीक्षा 90 मिनट की होगी. उन्होंने बताया कि प्रवेश संबंधी सूचना विश्वविद्यालय के मोबाइल एप पर भी उपलब्ध है. एडमिशन ब्रोशर के अंतिम पृष्ठ पर डिस्क्लेमर के बार कोड दिए गए हैं, जिससे अभ्यर्थी अपनी सुविधानुसार इंटरनेट मीडिया के माध्यम से प्रवेश संबंधी सूचनाएं ले सकेंगे.

यूजी-पीजी परीक्षा में निगेटिव मार्किंग नहीं

लखनऊ। एलयू में प्रवेश परीक्षा 2022-23 में निगेटिव मार्किंग नहीं होगी। यूजी के लिए प्रवेश आवेदन शुरू हो चुके हैं। पीजी के लिए प्रवेश 11 से शुरू होंगे। यूजी में 31 मई और पीजी में 10 जून तक आवेदन होंगे। शेड्यूल जारी कर दिया है। यूजी में प्रवेश परीक्षा 15 जून से 25 तक प्रस्तावित है। रिजल्ट 10 जुलाई को आएगा और पहले फेज की काउंसिलिंग 12 से 15 जुलाई। दूसरे फेज की काउंसिलिंग 18 जुलाई से 23 जुलाई एवं तीसरी चरण की 26 से 31 जुलाई तक होगी। इसी क्रम में पीजी प्रवेश परीक्षा एक से 10 जुलाई, परिणाम 20 जुलाई, एवं काउंसिलिंग 30 जुलाई से शुरू होगी।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू में एनईपी के तहत एक साल में पीजी

बदलाव

यूजी विद रिसर्च पूरा करने वाले छात्रों को मौका

पाठ्यक्रम में फ्लेक्सिबल एंट्री - एग्जिट का मौका भी दिया गया है। जिससे सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पूरा न कर पाने वाले छात्रों को भी सर्टिफिकेट- डिप्लोमा आदि मिलेगा । जो छात्र चार वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर तीन वर्ष उपरांत निकलना चाहेंगे उन्हे यूजी डिग्री मिलेगी तथा चार वर्ष का कोर्स पूरा करने पर यूजी विद रिसर्च (स्नातक शोध के साथ) की डिग्री दी जाएगी। यूजी विद रिसर्च पूरा करने वाले छात्र केवल एक साल में ही परास्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण कर सकते हैं।

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू करने में लखनऊ विश्वविद्यालय सबसे आगे रहा। पहले परास्नातक फिर स्नातक में एनईपी लागू हो चुकी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने अब नई शिक्षा नीति के अनुरूप एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम बनाने की कवायद शुरू कर दी है । कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने इसका प्रारूप तैयार करने के निर्देश दिए हैं। जिसके लिए कमेटी का गठन किया गया है। जिसके सदस्यों में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो पूनम टंडन, डीन कला संकाय- प्रो प्रेम लता सुमन, डीन अकादमिक- प्रो राकेश चंद्रा, डीन शोध- प्रो राजीव पांडे, प्रो पीयूष भार्गव तथा प्रो रचना मज्जू, शामिल हैं।

इंटर्नशिप तथा रिसर्च प्रोजेक्ट का भी लाभ उठा सकेंगे: कुलपति ने कहा कि स्नातक स्तर पर भी नयी शिक्षा नीति के अनुरूप चार वर्षीय पाठ्यक्रम तैयार कर सत्र 2021-22 से ही लागू किया जा चुका है । जिसमे पढ़ाई के साथ ही साथ कौशल विकास पर भी जोर दिया गया है । इसके तहत छात्र इंटर्नशिप तथा रिसर्च प्रोजेक्ट का भी लाभ उठा सकेंगे। स्नातक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद पहली बार प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं एनईपी के तहत परीक्षाएं भी दे रहे हैं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि से एक साल में पीजी

एनईपी के तहत होगी शुरुआत, प्रारूप तैयार करने को छह सदस्यीय कमेटी गठित

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय पीजी व यूजी प्रोग्राम में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी लागू करने के बाद अब एक वर्षीय पीजी प्रोग्राम शुरू करने जा रहा है। इसके लिए नियम-कानून व योग्यता आदि का निर्धारण करने को विवि प्रशासन ने छह सदस्यीय कमेटी का गठन किया है, जो इसके लिए प्रारूप व सिलेबस आदि का निर्धारण करेगी। इसके बाद इसे विवि की सभी कमेटियों से पास करके लागू किया जाएगा।

विवि प्रशासन ने पिछले साल परास्नातक में व इस सत्र 2021-22 से स्नातक में एनईपी को प्रभावी बनाया है। इसके अनुसार अब स्नातक कोर्स चार साल का हो गया है, जिसमें मल्टीपल एग्जिट की भी सुविधा दी गई है। अब जो विद्यार्थी चार साल का स्नातक कोर्स कर लेगा उसे यूजी विथ रिसर्च की डिग्री मिलेगी। वहीं उसके लिए पीजी एक साल का होगा। इसका सिलेबस आदि नियम बनाने की कवायद शुरू की गई है। बता दें कि लविवि एनईपी लागू करने वाला पहला विश्वविद्यालय रहा है। इतना ही इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा कॉमन मिनिमम सिलेबस तैयार किया गया। हालांकि, लविवि ने अपने यहां की विशिष्टता को ध्यान में रखकर खुद इसका सिलेबस तैयार किया और चार साल का यूजी कोर्स शुरू किया है। इतना ही नहीं फ्लेक्सिबल एंट्री व एग्जिट के क्रम में पिछले दीक्षांत समारोह में पीजी में एक साल बाद एक्जिट करने वाले दो छात्रों को पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा भी दिया गया। पाठ्यक्रम में इंटर्नशिप व मास्टर थीसिस भी कराई जा रही है। इलेक्टिव पेपर पढ़ने का भी अवसर दिया जा रहा है।

चार साल यूजी पर सीधे पीएचडी

डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि चार साल का यूजी करने वाले विद्यार्थी चाहेंगे तो सीधे पीएचडी में भी प्रवेश ले सकेंगे। वहीं तीन साल में स्नातक से एग्जिट करने वाले विद्यार्थी को दो साल का ही पीजी करना होगा। इसके बाद वह रिसर्च के लिए अर्ह होंगे। चार वर्षीय स्नातक में कौशल विकास पर जोर दिया गया है, जिसके तहत विद्यार्थी को-कॅरिकुलर कोर्स व वोकेशनल कोर्स पहले साल से ही पढ़ रहे हैं।

इन शिक्षकों की है कमेटी

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने नई शिक्षा नीति के अनुरूप एक वर्षीय परास्नातक कोर्स का पाठ्यक्रम, प्रारूप तैयार करने के लिए छह सदस्यीय कमेटी गठित की है। इसमें अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, डीन कला संकाय प्रो. प्रेम लता सुमन, डीन एकेडमिक प्रो. राकेश चंद्रा, डीन रिसर्च प्रो. राजीव पांडेय, प्रो. पियूष भार्गव तथा प्रो. रचना मज्जू शामिल हैं। जल्द ही इस कमेटी की पहली बैठक भी होगी।

योग में पांच वर्षीय पाठ्यक्रम शुरू

लखनऊ। लविवि में नए सत्र 2022-23 के लिए स्नातक प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रवेश आवेदन ऑनलाइन विवि की वेबसाइट से कर सकते हैं। विवि प्रशासन ने इस सत्र से फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के अंतर्गत पांच वर्षीय पाठ्यक्रम बैचलर ऑफ नैचुरोपैथी एंड यौगिक साइंस शुरू किया है। विवि प्रशासन के अनुसार इस साल भी विवि की केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में महाविद्यालयों को शामिल किया जाएगा। इसमें विद्यार्थी को एक ही आवेदन शुल्क में प्रवेश के कई विकल्प मिलेंगे। प्रवेश प्रक्रिया में कौन-कौन से कॉलेज शामिल हो रहे हैं, जल्द ही इसका ब्योरा वेबसाइट पर होगा। विवि ने प्रवेश सूचनाओं के साथ सभी पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा की सूचना भी अपलोड की है। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि प्रवेश संबंधी सभी सूचना विवि के मोबाइल एप पर भी उपलब्ध है। इसके साथ ही विवि के सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर, यू-ट्यूब, फेसबुक पर भी है। प्रवेश संबंधित किसी भी दिक्कत के लिए हेल्पलाइन नंबर 0522-4150500 भी जारी किया गया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

JAGRAN CITY PAGE III

प्रवेश परीक्षा में गलत उत्तर पर नहीं कटेंगे नंबर

लवि में 15 से 25 जून के बीच होगा टेस्ट डेढ़ घंटे में हल करने होंगे सौ बहुविकल्पीय सवाल

जागरण संवाददाता : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2022-23 में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू करते हुए प्रवेश परीक्षा का पेपर पैटर्न भी जारी कर दिया है। प्रवेश परीक्षा 15 से 25 जून तक कराने की तैयारी है। यह परीक्षा बहुविकल्पीय आधारित होगी। विश्वविद्यालय के एडमिशन पेज पर इसका विस्तृत विवरण अपलोड कर दिया गया है।

प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज मथुर ने बताया कि आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की तैयारी के लिए पैटर्न जारी किया गया है। प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा में 100 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे। हर प्रश्न दो अंकों का होगा। गलत जवाब पर अंक नहीं काटे जाएंगे। हर प्रवेश परीक्षा 90 मिनट की होगी। उन्होंने बताया कि प्रवेश संबंधी सूचना विश्वविद्यालय के मोबाइल एप पर भी उपलब्ध है। एडमिशन ब्रोशर के अंतिम पृष्ठ पर डिस्क्लेमर के बार कोड दिए गए हैं, जिससे अभ्यर्थी अपनी सुविधानुसार इंटरनेट मीडिया के माध्यम से प्रवेश संबंधी सूचनाएं ले सकेंगे।

छोटी कालेज में मूट कोर्ट में हुई कुश्ती में शामिल विद्यार्थी • डी. डायरेक्ट

डीएवी कालेज में मूट कोर्ट का आयोजन

डीएवी क्लिनिक कालेज के क्रिमिनल जस्टिस की ओर से सोमवार को मूट कोर्ट का आयोजन किया गया। इसमें सिविल एवं क्रमिनल केस के मामलों की सुनवाई की गई। जज की भूमिका विधि सहायक प्रभारी आनन्द प्रकाश तिवारी एवं उपाध्यक्ष न्यायालय लखनऊ बेंच के अधिवक्ता शिवेंद्र सिंह ने निभाई। एलएलबी छठे सेमेस्टर के छात्रों ने अधिवक्ता के रूप में हिस्सा लिया। उन्होंने मुकदमों की बारीकियों को समझा। मूट कोर्ट में प्रशिक्षण कर छात्र-छात्राएं काफी उत्साहित थे। कार्यक्रम में प्राचार्य डा. राजीव कुमार त्रिपाठी एवं छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक मौजूद थे। कार्यक्रम का आयोजन मूट कोर्ट प्रभारी डा. राजीव कुमार, कार्यालय प्रभारी देवेंद्र सिंह एवं गार्गेय सिंह ने किया।

लवि तैयार करेगा परास्नातक का एक वर्षीय पाठ्यक्रम

लखनऊ विश्वविद्यालय ने अब नई शिक्षा नीति के अनुरूप एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए होगा जो चार साल का स्नातक कोर्स पूरा करके पीजी करना चाहेंगे। उन्हें एक साल में पीजी की डिग्री मिल सकेगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने पाठ्यक्रम का प्रारूप तैयार करने के लिए कमेटी का गठन कर दिया है। इसमें अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, डीन कला संकाय प्रो. प्रेम लता सुमन, डीन अकादमिक प्रो. राकेश चंद्रा, डीन शोध प्रो. राजीव पांडे, प्रो. पीयूष भार्गव तथा प्रो. रचना, शामिल हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने सबसे पहले अपने यहां नई शिक्षा नीति-2022 को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में लागू कर दिया था। इसमें एक वर्ष की पढ़ाई पूरी करके पीजी डिप्लोमा प्राप्त किया जा सकता है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि स्नातक स्तर पर भी एक नई शिक्षा नीति के अनुरूप चार वर्षीय पाठ्यक्रम 2021-22 से लागू किया जा चुका है। विद्यार्थी डिग्रीसहित तथा रिसर्च प्रोजेक्ट का भी लाभ उठा सकेंगे। पाठ्यक्रम में पढ़ाई व एग्जिट का मौका भी दिया गया है। पाठ्यक्रम पूरा न कर पाने वाले विद्यार्थियों को भी सर्टिफिकेट या डिप्लोमा आदि मिल सकेगा।

समस्याओं का समाधान करेगा वाट्सएप ग्रुप

लखनऊ विश्वविद्यालय के महामुख्य विधि महाविद्यालयों में पढ़ने वाले एलएलबी के विद्यार्थियों के लिए किसी संकाय की ओर से एक वाट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा। प्रत्येक कालेज के एक शिक्षक व दो छात्र प्रतिनिधियों को उसमें शामिल करेंगे। उनके माध्यम से समस्याएं ग्रुप पर भेजी जाएंगी। उसी पर समस्याओं के समाधान की सूचना भी दी जाएगी। वहीं के साथ सबसेलो, सीतापुर, हरदोई और लखीमपुर खीरी के 38 कालेज जुड़े हुए हैं। किसी संकाय अध्यक्ष प्रो. सीपी सिंह ने बताया कि कालेज और विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय तक किसी भी समस्या के लिए यहां चक्कर लगाना न पड़े, इसके लिए वाट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा। इस पर परीक्षा विभाग, संकाय से लेकर बोर्ड भी जानकारी या सूचना दी जा सकेगी। कालेजों में इसका लाभ कि वहीं शिक्षक का नाम दे जो विश्वविद्यालय से जुड़ा हो। छात्र के नाम के साथ उसका सेमेस्टर भी बताना होगा। संकाय स्तर पर गठित कमेटी समस्याओं का समाधान करेगी।

PIONEER PAGE 3

लॉ फैकल्टी व्हाट्सअप ग्रुप के जरिए दूर करेगी छात्रों की समस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के सीमा विस्तार के बाद जुड़े चार जिलों को देखते हुए विधि पाठ्यक्रम संचालित स्कूलों और उनके छात्रों की समस्याएं व्हाट्सअप ग्रुप के जरिए दूर होगी। इस ग्रुप से फायदा यह होगा कि कालेजों के साथ ही छात्रों को भी अनावश्यक भागदौड़ से निजात मिलेगी। ग्रुप में जुड़ने लिए कालेजों को विवि से एप्रूव्ड एक शिक्षक सहित दो छात्रों के नाम भेजने होंगे। जिससे उनका नाम जोड़ा जा सके। छात्रों के नाम के आगे उनके सेमेस्टर का जिक्र करना अनिवार्य है। विधि से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण को लेकर विवि के विधि संकाय स्तर पर एक कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी में संकाय के दो शिक्षकों के अलावा पांच छात्र और प्रशासनिक विभाग के कर्मचारियों को शामिल किया गया है। जबकि ग्रुप का मार्गदर्शन विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो चंद्र प्रकाश सिंह करेंगे। व्हाट्सअप ग्रुप को लेकर विधि संकाय के डीन प्रो सीपी सिंह का कहना है कि ग्रुप के जरिए कालेज और छात्र से संबंधित समस्या का निस्तारण सरलता से समयबद्ध अवधि में कराया जा सकता है। बहुत से कालेज लखनऊ विश्वविद्यालय से इतनी दूर है कि छात्र को वहां से विश्वविद्यालय तक पहुंचने के लिए अधिक दूरी तो तय करनी ही पड़ेगी साथ में छात्र पर आर्थिक बोझ भी पड़ेगा। यह भी जरूरी नहीं है कि छात्र का काम एक ही बार में हो जाए इसलिए छात्रों की समस्याओं के निराकरण हेतु इस ग्रुप का गठन किया जा रहा है।

यूजी विद रिसर्च पूरा करने वाले छात्रों को एक वर्ष में मिलेगी पीजी की डिग्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने अब नई शिक्षा नीति के अनुरूप एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम बनाने की क़वायद शुरू कर दी है । कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने इसका प्रारूप तैयार करने के निर्देश दिए हैं। जिसके लिए एक कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो पूनम टंडन, डीन कला संकाय. प्रो प्रेम लता सुमन, डीन अकादमिक प्रो राकेश चंद्रा, डीन शोध प्रो राजीव पांडे, प्रो पीयूष भार्गव तथा प्रो रचना मज्जू शामिल है।

लखनऊ विश्वविद्यालय देश का पहला विश्वविद्यालय है जिसने नई शिक्षा नीति 2020 को अपने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम मे सत्र 2020-21 से ही समावेशित कर लिया। फ़्लेक्सिबल एंट्री एवं एग्ज़िट के प्रस्ताव के अनुरूप पिछले दीक्षांत समारोह में पीजी पाठ्यक्रम से एक वर्ष पश्चात एक्ज़िट करने वाले छात्र को पोस्ट ग्रैजूएट डिप्लोमा देकर लखनऊ विश्वविद्यालय का पहले वर्ष पश्चात एग्जिट करने वाले छात्र को पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा देकर लखनऊ विश्वविद्यालय का पहले ही धरातल पर क्रियान्वयन कर चुका है। परास्नातक पाठ्यक्रम में छात्र मूल्य वर्धक पाठ्यक्रम के साथ साथ इंटर्निशिप तथा मास्टर थीसिस भी कर रहे हैं और उनको ऑनलाइन पाठ्यक्रम लेने तथा अपने या अन्य विभागों के इलेक्टिव पेपर लेने का भी मौक़ा दिया गया है। वे इसके साथ ही एक वर्ष की पढ़ाई पूरी करके पीजी डिप्लोमा प्राप्त करके निकल सकते हैं जो कि नई शिक्षा नीति 2020 की महत्वपूर्ण संस्तुतियों मे से एक है। स्नातक स्तर पर भी नयी शिक्षा नीति के अनुरूप चार वर्षीय पाठ्यक्रम तैयार कर सत्र 2021-22 से ही लागू किया जा चुका है। यह पाठ्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है जिसमे पढ़ाई के साथ ही साथ कौशल विकास पर भी ज़ोर दिया गया है। इसके तहत छात्र इंटर्निशिप तथा रिसर्च प्रोजेक्ट का भी लाभ उठा सकेंगे। पाठ्यक्रम में फ़्लेक्सिबल एंट्री / एग्ज़िट का मौक़ा भी दिया गया है जिससे सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पूरा ना कर पाने वाले छात्रों को भी सर्टिफ़िकेट / डिप्लोमा आदि मिल सकेगा।

जो छात्र चार वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर तीन वर्ष उपरांत निकलना चाहेंगे उन्हे यूजी डिग्री मिलेगी तथा चार वर्ष का कोर्स पूरा करने पर यूजी विद रिसर्च (स्नातक शोध के साथ) की डिग्री दी जाएगी। यूजी विद रिसर्च पूरा करने वाले छात्र केवल एक साल में ही परास्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण कर सकते हैं।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लविवि में नये छात्रों को शुल्क में मिली छूट

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय में नए सत्र 2022-23 में दाखिला लेने वाले अभ्यर्थियों को नामांकन शुल्क 50 फीसदी कम जमा करना होगा। इसके साथ ही नव प्रवेशित विद्यार्थियों को परीक्षा शुल्क मे भी 40 फीसदी की राहत दी जाएगी।

ज्ञात हो विवि में सत्र 2022-23 की स्नातक की प्रवेश प्रक्रिया दो अप्रैल से ऑनलाइन शुरू हो गई है। स्नातक और परास्नातक के विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली छूट का फायदा मिलेगा। अभी तक नामांकन शुल्क साल भर में 500 रुपए भरना होता है जो कि अब आधा हो जाएगा। वहीं परीक्षा शुल्क प्रत्येक कोर्स में अलग-अलग है। जिसमें छात्रों को 40 फीसदी की राहत मिलेगी। विवि ने दो वर्ष पूर्व प्रांरभ हुई केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में महाविद्यालयों को भी शामिल करने का फैसला लिया है। विवि ने स्नातक पाठ्यक्रमो मे प्रवेश की जानकारी के लिए एक एकीकृत ब्रॉशर अंडर ग्रेजुएट एडमिशन इंफार्मेशन विवि की वेबसाइट पर जारी किया है, जहां से अभ्यर्थियों को संपूर्ण जानकारी एक ही जगह पर मिलेगी, साथ ही प्रवेश के लिए विवि के मोबाइल एप पर भी सूचना डाली गई है। इस बार लविवि ने प्रवेश प्रक्रिया में भी बदलाव किया है, जिसके तहत आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को अपना प्रमाण पत्र आवेदन के समय ही देना होगा। प्रवेश नियंत्रक का प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि पिछले वर्ष प्रमाण पत्र न होने की वजह से काफी समस्या हुई थी तथा कई छात्र वंचित रह गए थे इसलिए इस वर्ष आवेदन के समय ही प्रमाण पत्र मांगा गया है ताकि प्रवेश प्रक्रिया मे देर न हो।

विद्यार्थियों की समस्याओं को दूर करने को बनेगा व्हॉट्सऐप ग्रुप

लखनऊ। लविवि से सम्बद्ध सभी विधि महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की समस्याओं के निराकरण के लिए व्हॉट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा, जिसके लिए सभी प्राचार्य और प्रबंधकों को निर्देश भेज दिए गए हैं, साथ ही विधि संकाय के दो छात्रों और एक शिक्षक का नाम मांगा गया है। लविवि विधि संकायाध्यक्ष प्रो. सी.पी. सिंह ने बताया कि समस्या परीक्षा विभाग की हो या संकाय से जुड़ी हो या परीक्षा विभाग से संबंधित हो उसका निस्तारण ग्रुप मे किया जाएगा। लखनऊ के अतिरिक्त चार और जिले रायबरेली, हरदोई, सीतापुर और लखीमपुर के कॉलेज लविवि से सम्बद्ध हो गए हैं। ऐसे में दूर बैठे छात्र ग्रुप पर सारी जानकारी पा सकेंगे।

एनईपी के तहत एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम बनाने की कवायद शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक व परास्नातक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 लागू हो चुकी है। स्नातक में एनईपी लागू होने के बाद पहली बार प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थी एनईपी के तहत परीक्षाएं भी दे रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अब नई शिक्षा नीति के अनुरूप एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम बनाने की कवायद शुरू कर दी है तथा लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इसका प्रारूप तैयार करने के निर्देश दिए है। इसके लिए एक कमेटी का गठन किया गया है जिसके सदस्यों में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, डीन कला संकाय प्रो. प्रेम लता सुमन, डीन अकादमिक प्रो. राकेश चंद्रा, डीन शोध प्रो. राजीव पांडे, प्रो. पीयूष भार्गव तथा प्रो. रचना मज्जू शामिल हैं।

TOI PAGE 3

LU panel to finalise NEP structure for PG

To Be Ready Within Two Weeks

Times News Network

Lucknow: After the implementing the New Education Policy 2020 (NEP-2020) at the undergraduate level, the Lucknow University has formed a committee to finalize the structure of one-year postgraduate course to be offered once a student completes the four-year undergraduate course.

The undergraduate and postgraduate courses made in accordance with NEP will be followed in Lucknow University and its affiliated colleges.

"We have already implemented NEP at the undergraduate level in the academic session 2020-21. Now, Lucknow University has formed a committee of six members to finalize the structure of one year PG course to be made in accordance with NEP," said university spokesperson Durgesh Srivastava.

The committee comprises dean student welfare Prof Poonam Tandon, dean academics Prof Rakesh Chandra, dean research Prof Rajeev Pandey, dean arts Prem Lata Suman, Prof Piyush Bhargava and Prof Rachna Majju.

It will prepare the draft for the structure of one-year course in a week or two.

He said the one-year PG course will focus on the all-round development of students, with emphasis on research. Once the structure is finalized, it will be placed before the board of studies, faculty board, academic council and then executive council for the final assent, said Srivastava.

In Lucknow University's four-year UG course, a student who wants to leave after completing three years will get UG degree and if completes the full course will be awarded UG with research (with undergraduate research).

Students who have completed undergraduate with research can complete masters course in just one year and those whole leave in first year of the course will be given certificate and while on leaving in the second year will get undergraduate diploma degree.

LU WhatsApp grp for students' woes

Times News Network

Lucknow: Lucknow University authorities on Sunday directed all affiliated law colleges to share phone numbers of some select teachers and students who would be added to LU official WhatsApp group, where they can post all students and institute specific problems.

"Lucknow University is creating a WhatsApp group of law colleges, where representatives of the respective college can post all problems and can get them resolved," said university spokesperson Durgesh Srivastava.

He said the decision to form such a group has been taken to help students and teachers.

As the university's jurisdiction has ben expanded to Sitapur, Hardoi, Lakhimpur Kheri and Rae Bareli it would be difficult for a student or teacher to come to LU campus for redressal of their problems. Hence this group would be a platform for them to share the issues faced, Srivastava added.

AMRIT VICHAR PAGE 3

परीक्षा और नामांकन शुल्क में होगी कटौती

अमृत विचार, लखनऊ

राहत

लखनऊ विश्वविद्यालय ने नए सत्र 2022-23 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को राहत देते हुए नामांकन शुल्क में 50 फीसदी कमी कर दी है। इसके साथ ही नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं को परीक्षा शुल्क में 40 फीसदी की राहत दी जाएगी।

विवि में सत्र 2022-23 की स्नातक की प्रवेश प्रक्रिया दो अप्रैल से ऑनलाइन शुरू हो गई है। स्नातक और परास्नातक के छात्राओं को विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली छूट का फायदा मिलेगा। नामांकन शुल्क अभी तक साल भर में 500 रुपए भरना होता है। जो कि अब आधा हो जाएगा। वहीं परीक्षा शुल्क प्रत्येक कोर्स में अलग-अलग है। जिसमें छात्रों को 40 फीसदी की राहत मिलेगी। विवि ने दो वर्ष पूर्व प्रांरभ हुई केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया में महाविद्यालयों को भी शामिल करने का फैसला लिया है।

व्यवस्था | एनईपी को लागू करने वाला पहला शिक्षण संस्थान बना लखनऊ विश्वविद्यालय

नई शिक्षा नीति के तहत एक साल में पीजी

अमृत विचार, लखनऊ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू करने में लखनऊ विश्वविद्यालय सबसे आगे रहा। पहले परास्नातक फिर स्नातक में एनईपी लखनऊ विश्वविद्यालय में लागू हो चुकी है। स्नातक में लागू होने के बाद पहली बार प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं एनईपी के तहत परीक्षाएं भी दे रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अब नई शिक्षा नीति के अनुरूप एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम बनाने की कवायद शुरू कर दी है ।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इसका प्रारूप तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए एक कमेटी का गठन किया गया है जिसके सदस्यों में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, डीन कला संकाय प्रो. प्रेम लता सुमन, डीन अकादमिक प्रो. राकेश चंद्रा, डीन शोध प्रो. राजीव पांडे, प्रो. पीयूष भार्गव तथा प्रो. रचना मज्जू, शामिल हैं।

तीन वर्ष के उपरांत भी मिलेगी डिग्री : जो छात्र चार वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर तीन वर्ष उपरांत निकलना चाहेंगे उन्हे यूजी डिग्री मिलेगी तथा चार वर्ष का कोर्स पूरा करने पर यूजी विद रिसर्च (स्नातक शोध के साथ) की डिग्री दी जाएगी । यूजी विद रिसर्च पूरा करने वाले छात्र केवल एक साल में ही परास्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण कर सकते हैं ।

चार वर्षीय लागू हो चुका है स्नातक पाठ्यक्रम

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि स्नातक स्तर पर भी नई शिक्षा नीति के अनुरूप चार वर्षीय पाठ्यक्रम तैयार कर सत्र 2021-22 से ही लागू किया जा चुका है । यह पाठ्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है। इसमे पढ़ाई के साथ ही साथ कौशल विकास पर भी जोर दिया गया है । इसके तहत छात्र इंटर्नशिप तथा रिसर्च प्रोजेक्ट का भी लाभ उठा